इटली का एकीकरण

प्राचीन एवं मध्यकाल में यूरोप के सांस्कृतिक प्रणेता एवं पुनर्जागरण तथा प्रबोधन के केंद्र रहे इटली में मध्यकाल के अंधकार दौर को नष्ट करने की शुरुआत नेपोलियन के युद्धों से 1799 के आस-पास हुई जब इटली से सामंतवादी व्यवस्था खत्म कर दी गयी तथा चर्च को नियंत्रित करते हुए सुधारवादी कार्यक्रम लागू किये गये। 1815 के वियना समझौते में मेटरनिख ने इटली के उभरते राष्ट्रवाद को दबाने के उद्देश्य से इटली के महत्वपूर्ण भागों को बाँटना शुरू किया जिसमें लोम्बार्डी तथा विनेशिया आस्ट्रिया को, पर्मा, मोडेना, टस्कनी फ्रांस को एवं मध्य इटली का हिस्सा पोप के कब्जे में दे दिया गया। नेपल्स तथा सिसली को बूर्बो राजवंश के अधीन रखा गया।

1815 से ही इटली सामाजिक, राजनीतिक एवं संवैधानिक आंदोलन के चरण से गुजर रहा था। 1815 के पश्चात गुप्त संगठनों ने 1820 के दशक में सिसली व नेपल्स में, 1830 में परमा में, मोडेना तथा पोप राज्य में एवं 1831-32 में पिडमिंड में विद्रोह किये।

एकीकरण के तीन मत –

(i) गणतंत्रवादी – मेजनी, जनसंप्रभुता का सिद्धान्त, परंपरा गणतंत्र की रही है
1831 में कार्बोनारी सोसाइटी का एवं यंग इटली का गठन

(ii) नरमपंथी – पिडमिंड, सार्डिनिया तथा लोम्बार्डी एवं वेनिशिया
कुलीन एवं बुर्जुआ लोग संवैधानिक राजतंत्र, आर्थिक [illegible]

(iii) नवगुएल्फवादी – गणतंत्र के विरोधी तथा पोप के नेतृत्व में स्वतंत्र राज्यों का संघ।

1848 के बाद एकीकरण तथा विक्टर इमैनुअल II कावूर —

- 1848 के बाद औद्योगिक क्रांति के प्रभाव का अनुभव। पिडमॉन्ट सार्डिनिया मजबूत बने। विक्टर इमैनुअल स्वयं राजा बना तथा काउंट कावूर की नियुक्ति 1850 में मंत्री पद पर की। कावूर जो जमींदार था सर्वप्रथम कृषि सुधार पर बल दिया। बैंकिंग सुधार किए। ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम से व्यापारिक समझौते तथा सक्षम राज्य बनाया। 1852 में पिडमॉन्ट का प्रधानमंत्री नियुक्त। अब सैन्य सशक्तिकरण पर बल।

क्रिमिया का युद्ध (1854-56) में ब्रिटेन तथा फ्रांस के पक्ष में 15000 सैनिक भेजे। फ्रांस के विजयोपरांत पेरिस संधि 1856 में आस्ट्रिया के विरोध के बावजूद पिडमॉन्ट को आमंत्रण। अतः कावूर ने इसमें इटली की समस्या को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाया।
फ्रांस की सहायता से आस्ट्रिया को लोम्बार्डी वेनेशिया से निकालने हेतु युद्ध लड़ा तथा लोम्बार्डी हाथ लगा। इससे प्रेरित होकर परमा, मोडेना, टस्कनी में राष्ट्रवादी आन्दोलन हुए। अतः उन्हें पिडमॉन्ट में मिला लिया गया। फ्रांस को बदले में पिडमॉन्ट-सार्डिनिया से नीस और सेवाय मिला।

दक्षिणी इटली के विलय में गैरीबाल्डी की विशेष भूमिका रही। नेपल्स और सिसली पर कब्जा करके विक्टर इमैनुअल II के नाम पर शासन प्रारम्भ किया। कावूर के सुझाव पर विक्टर सेना लेकर दक्षिण गया तथा गैरीबाल्डी से क्षेत्र प्राप्त करने के साथ पोप के क्षेत्र को भी जीत लिया। 1860 तक वेनेशिया और रोम को छोड़कर इटली का एकीकरण। जर्मनी द्वारा क्रमशः आस्ट्रिया एवं फ्रांस के साथ युद्धरत होने के दौरान, 1866 एवं 70 में वेनेशिया एवं रोम को प्राप्त कर लिया। 1870 में एकीकरण पूर्ण।

Scanned with CamScanner